नए भारत का हो रहा उदय : प्रो. विलियम

एएमयू में भौतिकी विभाग की ओर से नैनो टेक्नोलॉजी पर अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस

जागरण संवाददाता, अलीगढ़ : अमेरिका की ओहियो स्टेट यूनिवर्सिटी (ओएसयू) के वाइस प्रोवोस्ट प्रो. विलियम ब्रस्टीन ने कहा कि 21वीं शताब्दी की चुनौतियों को स्वीकार करने के लिए भारत व अमेरिका के बीच शिक्षा और शोध कार्यों को बढ़ावा देना होगा। अब एक नए भारत का उदय हो रहा है, इसके लिए अमेरिका के वैज्ञानिक भारत में शोध को बढ़ावा देने के लिए काम कर रहे हैं।

अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के एप्लाइड फिजिक्स विभाग की ओर से ओहियो स्टेट यूनिवर्सिटी व सीईईआरआइ पिलानी के सहयोग से 'नैनो टेक्नालोजी एंड स्टेम ईआर' पर चार दिवसीय अंतराष्ट्रीय कांफ्रेंस में पहले दिन मुख्य अतिथि प्रो. विलियम ब्रस्टीन ने कहा कि शोध कार्यों को बढ़ावा देने के लिए ओहियो स्टेट यूनिवर्सिटी ने एएमयू से करार किया है। आज दुनिया में सबसे ज्यादा शोध कार्य अमेरिका में ही हो रहे हैं।

एएमयू के जेएन मेडिकल कॉलेज ऑडिटोरियम में आयोजित कांफ्रेंस में ओएसयू की प्रो. सुल्ताना एन नाहर ने नोबल पुरस्कार विजेता अहमद एच. जेबाइल का संदेश पढ़कर सुनाया। ओएसयू के ही प्रो. अनिल प्रधान ने कहा कि 'एएमयू-ओएसयू स्टेम' प्रोग्राम विश्वस्तरीय वैज्ञानिक पैदा करने के लिए बनाया गया। ओएसयू के प्रो. के. इरविंग ने कहा कि अभी कुछ और विश्वविद्यालयों के साथ भी सहयोग पर समझौता हो सकता है। अध्यक्षता करते हुए कुलपति जमीरउद्दीन शाह कहा कि देशभर के विश्वविद्यालयों में एएमयू नैनो टेक्नोलॉजी पर सबसे ज्यादा काम कर रहा है। संप्राश फूड के निदेशक प्रो. अशोक कुमार ने कहा कि नैनो टेक्नोलॉजी के विकास के साथ लोगों की आवश्यकताएं भी बढ़ रही हैं। सह कुलपति एस अहमद अली ने कहा कि जिस प्रकार 1960 के दशक में ट्रांजिस्टर व 1980 के दशक में लेजर परिवर्तन लेकर आया, उसी प्रकार आज के समय में नैनो टेक्नोलॉजी सबसे बड़ा परिवर्तन लेकर आ रही है। कन्वीनर प्रो. आलिम एच नकवी ने कहा कि कांफ्रेंस के आयोजन का उद्देश्य नैनो टेक्नोलॉजी, उसके इस्तेमाल व विकास को समझने के लिए मंच प्रदान करना है।

उन्होंने शोध कार्यों के लिए युवा वैज्ञानिक डॉ. ब्रजराज सिंह को धन्यवाद किया। एप्लाइड फिजिक्स विभाग के चेयरमैन प्रो. अमीर आजम ने विभाग की उपलब्धियों को गिनाया। इस मौके पर डॉ. एसएस जेड अशरफ, डॉ. अजरा परवीन, डॉ. असद अली, डॉ. जफरुल हसन, प्रो. असद उल्लाह खान, डॉ. वसी खान मौजूद रहे। आभार डा. शकील खान ने, संचालन स्वालेहा नसीम व फरहीम ने किया। शाम को पोस्ट प्रजेंटेशन हुआ, जिसमें डॉ. ब्रजराज सिंह, डॉ. सौरभ द्विवेदी समेत 35 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।

प्रो. विलियम ब्रस्टीन का सम्मान करते कुलपति जमीर उद्दीन शाह। साथ में हैं सहकुलपति एस अहमद अली, प्रो. आलिम एच नकवी व प्रो. सुल्ताना एन नाहर। जागरण

पौधे भी बनाते हैं नैनो पार्टिकल्स

रुहेलखंड यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. मुशाहिद हुसैन ने कहा कि नैनो तकनीक आने वाली पीढ़ी की तकनीक है। इसके नए आयाम होंगे। दैनिक जागरण से बातचीत में उन्होंने कहा कि नैनो तकनीक की दो बड़ी खासियत हैं। इसमें इलेक्टॉनिक्स और मेडिसिन शामिल हैं। इलेक्टॉनिक्स में नैनो के जरिए छोटी-छोटी चीजें तैयार होंगी। नैनो का मतलब एक मिमी का 10लाख वां हिस्सा भी कह सकते हैं। पौधे भी नैनो पार्टिकल्स बनाते हैं, जिन्हें स्टोर करना हमारा काम है। आज सबसे अधिक जोर कार्बन नैनो ट्यूब पर चल रहा है, जिसका इस्तेमाल कई क्षेत्रों में हैं। कैंसर के इलाज में भी हो रहा है। हाइड्रोजन एनर्जी के लिए स्टोर में भी काम होती है। नैनो का इस्तेमाल एग्रीकल्चर भी हो रहा है। नैनो के सेंसर एप्लीकेशन आने वाले हैं।

स्टेम जारी रखने के लिए मोदी सरकार से करेंगे बात

प्रो. अनिल के. प्रधान ने कहा कि ओएसयू व एएमयू के बीच साइंस टेक्नोलॉजी इंजीनियरिंग एंड मैथमेटिक्स (एसटीईएम) प्रोग्राम को जारी रखने के लिए मोदी सरकार से बात की जाएगी। यह करार यूपीए सरकार में राष्ट्रपति ओबामा व तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के बीच हुआ था। करार के तहत एएमयू के चार छात्र पहले साल अमेरिका में पढ़ाई कर चुके हैं। आगे भी चार छात्र यहां से भेजे जाएंगे। प्रो. प्रधान ने बताया कि यह फैकल्टी ट्रेनिंग के लिए एडवांस प्रोग्राम है। भारत की अन्य यूनिवर्सिटी में भी इसे शुरू करने की जरूरत है। सरकार बदलने से मंत्री भी बदले हैं। प्रोग्राम को आगे जारी रखने के लिए नई सरकार से बातचीत जरूरी है। बताया जाएगा कि इस कार्यक्रम से क्या फायदे हैं?

मरियम को पोस्टर प्रतियोगिता में अवार्ड

अलीगढ़ : एएमयू के बायो केमिस्ट्री विभाग की शोध छात्रा मरियम खान को एएमयू में इमर्जिंग ट्रेंड्स इन बायोमेडिकल साइंसेज पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय कांफ्रेंस में पोस्टर प्रस्तुतीकरण प्रतियोगिता में तृतीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। मरियम को यह पुरस्कार उनके शोध कार्य पर आधारित साइंटिफिक पोस्टर पर प्रदान किया गया। अपने प्रजेंटेशन में मरियम खान ने विश्व भर से जुड़े प्रमुख वैज्ञानिकों के समक्ष इंमोबिलाइजेशन मैट्रिक्स के रूप में ग्रेफीन शीट्स के प्रयोग पर चर्चा की। वह प्रो. कय्यूम हुसैन के नेतृत्व में शोध कार्य कर रही हैं। उनका शोध कार्य नैनो बायोटेक्नोलॉजी पर आधारित है।

सलमान को बेस्ट ओरल प्रजेंटेशन अवार्ड

अलीगढ़ : एएमयू जंतु विज्ञान विभाग में शोधार्थी सलमान को बेस्ट ओरल प्रजेंटेशन अवार्ड दिया गया है। उन्हें अवार्ड इटावा के बाबा साहिब डॉ. बीआर अंबेडकर कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चरल इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी की ओर से आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में उनके शोध पत्र पर प्रदान किया गया। सलमान फिशरी साइंस एंड एक्वाकल्चरल सेक्शन में असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. एम अफजाल खान के निर्देशन में शोध कार्य कर रहे हैं।

एएमयू जंतु विज्ञान विभाग में शोधार्थी सलमान को बेस्ट ओरल प्रजेंटेशन अवार्ड से नवाजा गया।

नए वीसी के चयन में चाबी कुलपति के हाथ

- एएमयू में 19 मार्च को होनी है ईसी की बैठक
- दावेदारी में बड़े-बड़े नाम, चर्चाओं का दौर शुरू

जागरण संवाददाता, अलीगढ़ : अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी का नया कुलपति कौन होगा? कैंपस में इन दिनों सबकी जुबां यही सवाल है। दावेदारों के नामों को लेकर अटकलें भी लगाई जा रही हैं। जानकार ये भी मान रहे हैं कि कुलपति कोई भी बने, लेकिन इसकी चाबी मौजूदा कुलपति के हाथ में रहेगी।

एएमयू में नए वीसी के चयन को पैनल गठन के लिए 19 मार्च को एग्जीक्यूटिव काउंसिल (ईसी) की बैठक होनी है। बैठक में तय यह भी होना है कि ईसी कुलपति चयन में यूजीसी के नियमों का पालन करती है या यूनिवर्सिटी के नियम को। वैसे यूजीसी रेग्युलेशन के तहत दस साल प्रोफेसर पद का अनुभवी शख्स ही कुलपति बन सकता है। ईसी अगर यूजीसी रेग्युलेशन को नहीं अपनाती है तो कुलपति के दावेदारों की संख्या बढ़ सकती है। इस श्रेणी में भी कई दावेदारों के नाम चर्चा में हैं। इनमें सह कुलपति एएस अहमद अली, पूर्व मुख्य सचिव जावेद उस्मानी, केंद्र सरकार में संयुक्त सचिव रहे नवेद मसूद, पूर्व आइएएस राजन ख्वाजा, पूर्व आइएएस जन्नत हुसैन आदि।

यूजीसी के नियम को स्वीकार करने की स्थिति में भी कई नाम चर्चा में हैं। इनमें नलसार यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. फैजान मुस्तफा, जामिया मिलिया के कुलपति तलत अहमद, जेएन मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल प्रो. तारिक मंसूर, प्रो. एमयू रब्बानी, प्रो. जमाल अहमद, बाबा गुलाम शाह यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. जावेद मसर्रत, प्रो. अख्तर हसीब, प्रो. नुकमान अहमद आदि हैं। अगर सदस्यों में नामों पर सहमति नहीं बनती है तो वोटिंग होती है।

चाबी की वजह : कुलपति खुद ईसी के सदस्य होते हैं, साथ ही सहकुलपति, प्रॉक्टर, दो कॉलेजों के प्रिंसिपल, सीनियर प्रोवोस्ट, पांच डीन, छह निर्वाचित ईसी सदस्य, कोर्ट के छह सदस्य प्रमुख हैं। माना जाता रहा है कि ये सभी कुलपति की ही राह पर चलते हैं।

देनी होगी लिखित स्वीकृति : पैनल में जिस भी दावेदार का नाम शामिल किया जाएगा, उनसे इसके लिए लिखित स्वीकृति लेनी होगी। इसके बाद ही पैनल में पांच नाम राष्ट्रपति को भेजे जाएंगे। ऐसा इस लिए किया जाता है, ताकि बाद में कोई अपना नाम वापस न ले और पैनल पूरा रहे।

कांग्रेस अपना गिरेबां देखे : देवराज सिंह

अलीगढ़ : भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष चौ. देवराज सिंह ने पूर्व सांसद व कांग्रेस जिलाध्यक्ष चौ. विजेंद्र सिंह के किसानों की आत्महत्या के लिए केंद्र को जिम्मेदार ठहराने को बेतुका करार दिया है। देवराज सिंह ने कहा कि कांग्रेस ने करीब 60 साल तक शासन किया और किसानों को इस हाल पर ला खड़ा किया। ये किसान अब जागरूक हो चुके हैं। तभी, कांग्रेस को सत्ता से उखाड़ फेंका है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का भ्रमित करने का प्रयास सफल नहीं होगा। मोदी सरकार पर सबको भरोसा है। किसानों को यकीन है कि वह उम्मीदों पर खरी भी उतरेगी। वहीं, पार्टी के जिला मीडिया प्रभारी अमित शर्मा ने पूर्व सांसद के बयान को गुमराह करने वाला बताया। कहा, केंद्र सरकार ने किसानों के हित में कई योजनाएं शुरू की हैं। इन योजनाओं का कांग्रेस को ठीक से अध्ययन करना चाहिये।